



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

15 आश्विन 1938 (श०)

(सं० पटना 842) पटना, शुक्रवार, 7 अक्टूबर 2016

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद

अधिसूचना

3 सितम्बर 2016

सं० 1722—सुन्दरी मठ (शिव मंदिर), ग्राम—सुन्दरी, पोस्ट—बटराहा, थाना—कुआरी, अंचल—कुर्साकांटा, जिला—अररिया पर्षद के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या 2063 है।

इस न्यास के संबंध में पर्षदीय पत्रांक 1615, दिनांक 24.02.2015 द्वारा अंचल अधिकारी, कुर्साकांटा, जिला—अररिया से विस्तृत जाँच प्रतिवेदन की मांग की गयी थी। इसके आलोक में अंचल अधिकारी, कुर्साकांटा ने अपने पत्रांक 309, दिनांक 20.04.2015 द्वारा सूचित किया कि सुन्दरी मठ (शिव मंदिर), ग्राम—सुन्दरी, पोस्ट—बटराहा, थाना—कुआरी, जिला—अररिया एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है जिनके वर्तमान न्यासधारी श्री सिहेश्वर गिरी एवं घनश्याम गिरी है और इस धार्मिक न्यास समिति के निम्नलिखित ग्यारह सदस्य सर्वसम्मति से चुने गये हैं। अंचल अधिकारी, कुर्साकांटा द्वारा न्यास समिति गठन हेतु भेजे गये नामों के आलोक में न्यास के सुचारू प्रबंधन हेतु न्यास समिति के गठन का निर्णय लिया गया।

अतएव बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार, जो बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की धारा 81 (1) (ख) एवं 8 (क) के तहत प्रशासक को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए सुन्दरी मठ (शिव मंदिर), ग्राम—सुन्दरी, पोस्ट—बटराहा, थाना—कुआरी, अंचल—कुर्साकांटा, जिला—अररिया की परिस्मृतियों की सुरक्षा, संरक्षण, सुचारू प्रबंधन तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “सुन्दरी मठ (शिव मंदिर), सुन्दरी, न्यास योजना” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम ‘‘सुन्दरी मठ (शिव मंदिर), सुन्दरी, न्यास समिति’’ होगा।
2. सुन्दरी मठ (शिव मंदिर), ग्राम—सुन्दरी, पोस्ट—बटराहा, थाना—कुआरी, अंचल—कुर्साकांटा, जिला—अररिया तथा इसकी समस्त चल—अंचल सम्पत्ति तथा आय के प्रबंधन, संचालन एवं प्रशासन का अधिकार सुन्दरी मठ (शिव मंदिर), ग्राम—सुन्दरी, पोस्ट—बटराहा, थाना—कुआरी, अंचल—कुर्साकांटा, जिला—अररिया न्यास समिति में निहित होगा।

3. न्यास समिति न्यास हित में प्रशासनिक एवं राजस्व सम्बंधी कार्य करेगी तथा श्री सिंहेश्वर गिरी एवं श्री घनश्याम गिरी सिर्फ अध्यात्मिक कार्य, यथा राग-भोग, पूजा-पाठ इत्यादि करेंगे।
4. इस न्यास समिति का प्रमुख दायित्व मन्दिर में परम्परागत पूजा-अर्चना, राग-भोग, उत्सव-समैया आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् प्रबंधन सुनिश्चित करना होगा।
5. न्यास की समग्र आय समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में रखी जायेगी और बैंक खाता का संचालन समिति के सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त के हस्ताक्षर से होगा।
6. मन्दिर में प्राप्त होने वाले सभी चन्दा, चढ़ावा एवं मांगलिक/धार्मिक आयोजनों के लिए निर्धारित राशि के लिए दाताओं को उचित पावती रसीद दी जायेगी और उसका सम्यक् लेखा संधारण किया जायेगा।
7. न्यास समिति के आय-व्यय में शुचिता एवं पारदर्शिता रखेगी।
8. मन्दिर में आने वाले आस्थावान भक्तों के साथ किसी प्रकार का भेद-भाव नहीं किया जायेगा। विशेष अवसरों पर भक्तों की सुविधा एवं सुरक्षा का ख्याल रखा जायेगा।
9. मन्दिर परिसर में भेंट पात्र रखे जायेंगे जो प्रत्येक माह एक निर्धारित तिथि को न्यास समिति के सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और गणना कर सत्यापित पंजी में प्रविष्ट के बाद बैंक खाता में जमा की जायेगी।
10. न्यास समिति न्यास परिसर को स्वच्छ एवं अतिक्रमणमुक्त रखेगी।
11. न्यास समिति बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित सभी प्रावधानों का सम्यक् अनुपालन सुनिश्चित करेंगी तथा वार्षिक आय-व्यय का विवरण, बजट, देय शुल्क की राशि एवं बैठकों की कार्यवृत्त पर्षद को संसमय भेजेगी।
12. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक बुलायेंगे। जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष करेंगे। सचिव समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्तरूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष लेखा की सम्यक् संधारण के लिए जिम्मेवार होंगे।
13. न्यास समिति की बैठक मन्दिर परिसर में प्रत्येक माह होगी।
14. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन अथवा संशोधन का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
15. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि मन्दिर की सम्पत्ति से प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से लाभान्वित होगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे तो सदस्य बने रहने की उनकी अहंता स्वतः समाप्त हो जायेगी।
16. न्यास समिति को न्यास की कोई सम्पत्ति बेचने, लीज पर देने या किसी प्रकार से अन्य संक्रमण का अधिकार नहीं होगा।
17. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित भूमि को मुक्त कराने हेतु आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करेगी।

उपर्युक्त योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों की न्यास समिति गठित की जाती है :-

(1) श्री विजय कुमार मंडल	-	अध्यक्ष,
(2) श्री नरेन्द्र प्रसाद सिंह	-	सचिव
(3) श्री प्रणव कुमार गुप्ता	-	कोषाध्यक्ष
(4) श्री उपेन्द्र प्रसाद सिंह	-	सदस्य
(5) श्री रामानंद मंडल	-	सदस्य
(6) श्री विजय केशरी	-	सदस्य
(7) श्री मनोज कुमार भगत	-	सदस्य
(8) श्री हेरम कुमार सिंह	-	सदस्य
(9) श्री श्याम राय	-	सदस्य
(10) श्री रामदेव सरदार	-	सदस्य
(11) श्री राम प्रसाद शर्मा	-	सदस्य

यह अधिसूचना निर्गत तिथि से प्रभावी होगी और इसका कार्यकाल 05 (पाँच) वर्षों का होगा।

आदेश से,
संजय कुमार,
प्रशासक।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 842-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>